Rashtriya Sahara 29 July, 2017

महंगो टमाटर से बढ़ी टोमैटो प्यूरी व केचअप की मांग

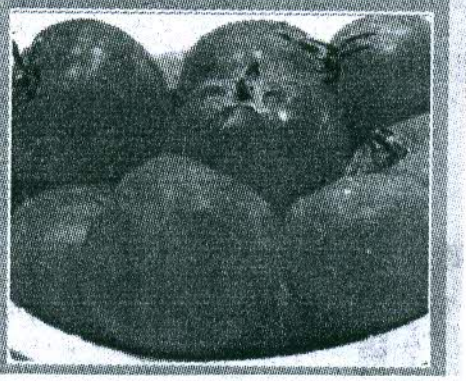

टमाटर के भाव में आए भारी उछाल के कारण टोमैटो प्यूरी औरटोमैटो केचअप की मांग तेजी से बढ़ रही है। पिछले कुछ सप्ताह में इसमें 40 से 45 फीसद का इजाफा दर्ज हुआ है। उद्योग संगठन एसोचैम की रिपोर्ट के अनुसार अधिकतर भारतीय व्यंजनों में जरूरी माने जाने वाले टमाटर की आसमान छूती कीमत के कारण लोगों ने टोमैटो प्यूरी और टोमैटो केचअप को विकल्प के रूप में खरीदना शुरू कर दिया है।

और क्या है विकल्प

अध्ययन के मुताबिक अधिकतर लोगों ने बताया कि कीमतें बढ़ने के कारण उन्होंने टमाटर का इस्तेमाल बहुत कम कर दिया है और वे वैसे ही व्यंजन बना रहे हैं जिनमें टमाटर की जरूरत न हो जैसे भिंडी और कद्दू। कुछ लोग टमाटर की जगह कच्चे आम का इस्तेमाल भी कर रहे हैं।

एसोचैम की रपट

- पिछले कुछ सप्ताह में 45 फीसद तक बढ़ी प्यूरी और केचअप की मांग
- बढ़ती मांग को देखते हुए दुकानदारों ने इन उत्पादों का भंडार बढ़ाया
- इससे होटल और रेस्टोरेंट में बढ़ गई है व्यंजनों की लागत

क्यों महंगा हुआ टमाटर

बारिश की वजह से फसल बर्बाद होने के कारण पिछले कुछ सप्ताह के दौरान टमाटर के दाम बड़ी तेजी से बढ़े हैं। टमाटर की पैदावार वाले कुछ इलाकों में बाढ़ और कुछ में हुई कम बारिश के कारण इसकी फसल बहुत प्रभावित हुई है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, लखनऊ, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद की मंडियों में कारोबारियों से की गई बातचीत से यह पता चलता है कि आने वाले कुछ समय तक टमाटर की कीमतों में कमी आने की कोई उम्मीद भी नहीं है क्योंकि देश के जिन हिस्सों में इसकी फसल तैयार होती है उनमें से अधिकतर जगह बाढ़ का कहर है।

कहां-कहां है असर

महाराष्ट्र तथा अन्य राज्यों में जहां टमाटर की पैदावार होती है, वहां कम बारिश के कारण फसल को बहुत नुकसान हुआ है। टमाटर की पैदावार प्रभावित होने का सबसे अधिक असर दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में दिखा है। इसके अलावा टमाटर बहुत ही जल्द खराब हो जाते हैं और इनके संरक्षण के लिए कोल्ड स्टोरेज तथा एक जगह से दूसरे जगह ले जाने के लिए रेफ्रीजरेटेड वाहनों की आवश्यकता होती है। ■ वार्ता

सब्जियों के दामों में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए सरकार को आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करना चाहिए। इसके लिए कोल्ड स्टोरेज ढांचे में निवेश बढ़ाने की जरूरत है

डीएस रावत, महासचिव एसोचैम

Dainik Bhaskar

29 July, 2017

टमाटर महंगा हुआ तो 45 फीसदी तक बढ़ी टोमैटो प्यूरी और कैचअप की मांग: एसोचैम

देशभर में 80 से 100 रुपए किलो तक पहुंची टमाटर की खुदरा कीमतें

एजेंसी | नई दिल्ली

टमाटर की कीमतों में अचानक आई तेजी से पिछले कुछ हफ्तों के दौरान टोमैटो प्यूरी और कैचअप की मांग 40 से 45 फीसदी तक बढ़ गई है। यह कहना है उद्योग संगठन एसोचैम का। इसने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि ज्यादातर भारतीय व्यंजनों में टमाटर इस्तेमाल होता है। लेकिन इसकी आसमान छूती कीमतों के कारण लोगों ने इसके विकल्प के रूप में टोमैटो प्यूरी और कैचअप खरीदना शुरू कर दिया है। बढ़ती मांग के मद्देनजर दुकानदारों को भी इन उत्पादों का स्टॉक बढ़ाना पड़ा है। टमाटर महंगा होने से होटल और रेस्तरां के व्यंजनों की लागत भी काफी बढ़ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर लोगों ने बताया कि उन्होंने महंगा होने से खाने में टमाटर का उपयोग कम कर दिया है। वे वैसे व्यंजन बना रहे हैं जिनमें टमाटर की जरूरत न हो। जैसे भिंडी या कद्दू। कुछ लोग टमाटर की जगह केरी या अमचूर भी इस्तेमाल कर रहे हैं। टमाटर बहुत जल्द खराब हो जाते हैं। इनके संरक्षण के लिए कोल्ड स्टोरेज और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए रेफ्रिजरेटेड वाहनों की आवश्यकता होती है।

फसल बर्बाद होने से हुआ महंगा

बारिश के कारण फसल बर्बाद होने से पिछले कुछ सप्ताह के दौरान टमाटर के दाम बड़ी तेजी से बढ़े हैं। इसकी पैदावार वाले कुछ इलाकों में बाढ़ और महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों में कम बारिश से फसल को खासा नुकसान हुआ है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, लखनऊ, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद की मंडियों में कारोबारियों के मुताबिक आने वाले कुछ समय तक टमाटर की कीमतों में कमी आने के आसार नहीं हैं। देश के जिन हिस्सों में इसकी फसल होती है, उनमें अधिकतर जगह बाढ़ का कहर है।

Hindustan 29 July, 2017

कर्नाटक से आवक बढ़ने से जनता को राहत मिलेगी

टमाटर के दाम अगले 10-15 दिनों में घटेंगे

उम्मीद

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

त्योहारों के पहले ही 100 रुपये किलो तक पहुंचे टमाटर के भाव से परेशान जनता को अगले 10-15 दिनों में राहत मिल सकती है। बेंगलुरु से नई फसल की खेप दिल्ली पहुंचने लगी है और टमाटर की आवक बढ़ने का असर जल्द ही कीमतों पर भी दिखेगा।

दरअसल, दिल्ली और आस-पास के इलाकों में भारी बारिश के चलते खेतों में टमाटर की फसल पूरी तरह से खराब हो चुकी है। इसी के चलते टमाटर के दामों में तेजी बनी हुई है। बेंगलुरु से पांच ट्रक टमाटर शुक्रवार को दिल्ली की आजादपुर मंडी पहुंचा है। सोमवार से आवक और बढ़ेगी। फिलहाल मंडी में हिमाचल प्रदेश से 20 से 25 वाहन टमाटर रोज आ पा रहे हैं, जबकि सामान्य दिनों में मंडी में 50 से 55 ट्रक टमाटर आते हैं।

आजादपुर मंडी में टमाटर के थोक व्यापारी अशोक कौशिक के अनुसार, इस मौसम में ज्यादातर टमाटर हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक (बेंगलुरु) से आता है। महाराष्ट्र से इस वर्ष टमाटर की आवक न के बराबर है। महाराष्ट्र का टमाटर आस-पास के इलाकों में ही खप जा रहा है। बेंगलुरु से हर साल 20 से 22 ट्रक टमाटर रोज दिल्ली पहुंचता है और यह खेप आनी शुरू भी हो गई है। ऐसे में अगले 10 से 15 दिनों में टमाटर के दाम थोक मंडियों में घटकर 40 से 50 रुपये के बीच आ जाएंगे। शुक्रवार को थोक मंडी में टमाटर के दाम 50 से 70 रुपये किलो के बीच रहे। टमाटर के भाव में सबसे ज्यादा तेजी, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में दर्ज किया जा रही है।

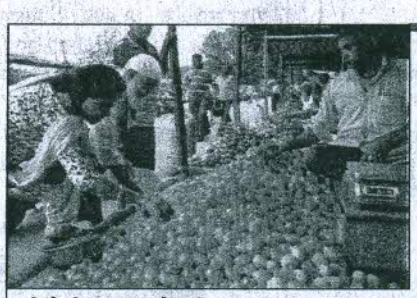

टोमैटो प्यूरी और केचअप की मांग बढ़ी

टमाटर की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल के कारण टोमैटो प्यूरी और टोमैटो केचअप की मांग कुछ सप्ताह में 40 से 45 फीसदी बढ़ गई है। उद्योग संगठन एसोचैम की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय व्यंजनों में जरूरी टमाटर की आसमान छूती कीमत के कारण लोग प्यूरी और केचअप को प्राथमिकता दे रहे हैं।

न चेते तो प्याज भी रुला सकता है

प्याज के दाम भी जल्द ही आपकी जेब पर बोझ बढ़ाने वाले हैं। प्याज की आवक में कमी से थोक मंडी में यह शुक्रवार को 10 रुपये किलो तक बिका। प्याज के थोक व्यापारी राजेंद्र शर्मा के अनुसार, मंडी में प्याज के ट्रकों की संख्या 150 से घट कर 75 रह गई है। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से आवक कम है और दामों में उछाल हो सकता है।

रेस्तरां की लागत बढ़ी

टमाटर के बढ़ते दामों से होटल और रेस्तरां में व्यंजनों की लागत भी बढ़ गई है। रेस्तरां में अधिकतर व्यंजनों में बड़ी मात्रा में टमाटर डाले जाते हैं।

> सब्जियों और फलों की कीमतों का अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव क्षेत्र में बेहतर आपूर्ति शृंखला की जरूरत को दिखाता है। केंद्र तथा राज्य सरकारों दोनों को कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेटेड ढांचे में निवेश को बढ़ावा देना चाहिए।
>
> –डी. एस. रावत, एसोचैम के महासचिव